

भारत में युवा और राजनीति: डिजिटल युग में राजनीतिक भागीदारी

राजेंद्र कुमार वर्मा, सहायक आचार्य, सुरेंद्रा कॉलेज, श्री गंगानगर (राजस्थान)

सारांश

भारत की युवा आबादी देश की राजनीतिक एवं सामाजिक दिशा को प्रभावित करने की महत्वपूर्ण क्षमता रखती है। डिजिटल युग में इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन संचार माध्यमों ने युवाओं की राजनीतिक भागीदारी के स्वरूप को व्यापक रूप से बदल दिया है। आज युवा केवल पारंपरिक राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ऑनलाइन अभियान, डिजिटल आंदोलनों, राजनीतिक चर्चाओं, ऑनलाइन याचिकाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से जनमत निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि डिजिटल राजनीतिक सहभागिता के साथ फेक न्यूज़, राजनीतिक प्रचार, ऑनलाइन धुवीकरण और सूचना की विश्वसनीयता जैसी चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। यह शोध-पत्र भारत में युवाओं की राजनीतिक भागीदारी के बदलते स्वरूप का अध्ययन करता है तथा यह विश्लेषण करता है कि डिजिटल माध्यम युवाओं की राजनीतिक जागरूकता, अभिव्यक्ति और सहभागिता को किस प्रकार प्रभावित कर रहे हैं। अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य डिजिटल राजनीति के अवसरों और चुनौतियों को समझना है। निष्कर्षतः, डिजिटल माध्यम युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने का प्रभावी साधन बन सकते हैं, बशर्ते डिजिटल साक्षरता, तथ्यपरक सूचना और जिम्मेदार राजनीतिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाए।

मुख्य शब्द: युवा राजनीति, राजनीतिक भागीदारी, डिजिटल युग, सोशल मीडिया, डिजिटल लोकतंत्र, राजनीतिक जागरूकता,